शास्त्रीय नृत्य (कथक)

बी.ए. शास्त्र द्वितीय वर्ष

प्रथम प्रश्न पत्र

इकाई–प्रथम

भारतीय संगीत कला में गुरू–शिष्य परम्परा का महत्व, शास्त्रीय कथक नृत्य की उत्पत्ति एवं विकास।

इकाई–द्वितीय

शास्त्रीय कथक नृत्य में घरानों की जानकारी

भारतीय संगीत कला में वाद्यों का महत्व

इकाई–तृतीय

अभिनय दर्पण के अनुसार ग्रीवा भेदों का ज्ञान

संयुक्त हस्त मुद्राओं का अध्ययन,

तबला पखावज अवनद्ध वाद्यों के घरानों की जानकारी

इकाई–चतुर्थ

कथक नृत्य के विभिन्न तत्व–तिगुन, आड, कुआड, क्रमलय

सलामी टुकड़ा, कवित्त, गतनिकास, पल्टा, चलन (चाल)

ताल त्रिताल में विभिन्न लयों की जानकारी।

तबला, पखावज, नाच की बन्दिशों को लिपिबद्ध करना।

इकाई–पंचम

कथक नृत्य के लखनऊ घराने के गुरुओं का जीवन परिचय

बिन्दादीन महाराज/अच्छन महाराज/कालका प्रसाद/शम्भू महाराज।

वर्तमान में लखनऊ घराने के किन्हीं दो गुरुओं का विस्तार से अध्ययन।

5/12/18

प्रायोगिक

बी.ए. शास्त्र द्वितीय वर्ष

1. ताल–तीनलाल में विभिन्न लयों का अभ्यास।
2. गणेश स्तुति की प्रस्तुति।
3. ताल तीनताल में सलामी, चक्करदार टुकड़ा, परण, सादा टुकड़ा, परण, तिहाइयाँ।
4. गत निकास– सादीगत, घुँघट, बांसुरी और कवित्त का प्रदर्शन।
5. अभिनय दर्पण के अनुसार ग्रीवा भेद और संयुक्त हस्त मुद्राओं का विनियोग सहित मौखिक प्रदर्शन।
6. झपताल में आमद, तोड़े, टुकड़े, परण, थाट और तिहाइयों का प्रदर्शन। एक लखनऊ घराने की आमद का अभ्यास।

5/12/18